सहित्य और सिनेमा

एम. ए. - सेम 4

पेपर-3

1. कथा और पटकथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुये साहित्य और सिनेमा के अन्तर्सबंधों पर प्रकाश डालिए ।
2. सिनेमा में भाषा की भूमिका स्पष्ट करते हुए सिद्ध कीजिए कि हिन्दी भाषा और साहित्य का सिनेमा मे महत्वपूर्ण स्थान है ।
3. कथानक के आधार पर `राजनीगंधा` फिल्म और कहानी के साम्य और वैषम्य की तार्किक विवेचना कीजिए ।
4. `राजनीगंधा` फिल्म मन्नू भण्डारी लिखित कहानी `यही सच है` कि मूल संवेदना को सटीक अभिव्यक्त करती है कथानक के आधार पर स-तर्क सिद्ध कीजिए ।
5. राजेन्द्र यादव द्वारा लिखित उपन्यास `सारा आकाश` फिल्म में प्रतिबिम्बित हुई है। कथन की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए ।
6. `सारा आकाश`उपन्यास व फिल्म का वैषम्य कथोपकथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
7. `काली आँधी`और `आँधी` में साम्य-वैषम्य को कथानक के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
8. पटकथा लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।
9. डॉक्यूमेंटरी फिल्म का आशय स्पष्ट करके इसकी सामाजिक उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
10. कथोपकथन के आधार पर `तिसरी कसम` फिल्म की समीक्षा कीजिए ।
11. `काली आँधी` फिल्म की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए।
12. विषयवस्तु के आधार पर `शतरंज के खिलाड़ी` फिल्म और कहानी के साम्य-वैषम्य की तार्किक विवेचना कीजिए ।
13. पटकथा में `सीन` का महत्व बताइए ।
14. फिल्मों की भाषा और सामान्य व्यवहार की भाषा में अंतर बताइए ।
15. साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्सबंध को स्पष्ट कीजिए ।